M-291

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढो

विषय –छत्तीसगढ़ी का इतिहास **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. छत्तीसगढ़ी में स्वरों की संख्या कितनी है ?
2. डॉ. रमेशचन्द्र मेहरोत्रा ने छत्तीसगढ़ी की वर्णमाला में कितने वर्ण माने हैं ?
3. पण्डित सुन्दरलाल शर्मा का पहला काव्य ..... है।
4. पवन दीवान ने संन्यास की दीक्षा किससे ली ?
5. 'मैथिली मंगल' किसकी रचना है ?
6. 1923 में गठित 'छत्तीसगढ़ गौरव प्रचारक मंडली' को बाद में किस नाम से जाना गया ?
7. महाकवि कालिदास के ग्रन्थ 'रघुवंशम्' में इक्ष्वाकु वंश के शासक दशरथ को कहाँ का राजा बताया गया है ?
8. छत्तीसगढ़ राज्य जब अस्तित्व में आया उस समय यह राज्य कितने जिलों में विभक्त था ?

खण्ड–ब

9. छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति पर लिखिए।
10. छत्तीसगढ़ी लोकगाथाओं की विशेषता लिखिए।
11. भीमा देव ने किससे क्षमा याचना की और किस कारण से ?
12. लोक कथा में निहित शिक्षाप्रद बातों का उल्लेख कीजिए।
13. संत काव्य में गुरुमहिमा का वर्णन कीजिए।
14. गुरु घासीदास के 'मनखे मनखे एक' को समझाइए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. पण्डित सुन्दरलाल शर्मा की रचनाओं का उल्लेख कीजिए।
16. पण्डित मुकुटधर पाण्डेय के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।
17. दानेश्वर शर्मा के रचनाकर्म को लिखिए।
18. लोचन प्रसाद पाण्डेय के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. छत्तीसगढ़ी व्याकरण पर प्रकाश डालिए।
20. द्वितीय उन्मेष के छत्तीसगढ़ी काव्य की विशेषताएँ बतलाइए।
21. छत्तीसगढ़ी की प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय दीजिए।
22. संत धर्मदास को छत्तीसगढ़ का कबीर कहा जाता है। स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. पण्डित सुन्दरलाल शर्मा के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
24. छत्तीसगढ़ी उपन्यास और कहानी कला पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M-292

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी का भाषा विज्ञान **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. खाना–पीना का छत्तीसगढ़ी रूप लिखिए।
2. खपरी का विलोम क्या होगा ?
3. सुरता पाती का हिन्दी शब्द लिखिए।
4. रूमाल का छत्तीसगढ़ी तद्भव रूप क्या है ?
5. छत्तीसगढ़ के प्रथम दैनिक समाचारपत्र 'महाकौशल' के सम्पादक का नाम लिखिए।
6. पंर्रा भर लाई के लिखोइया कौन है ?
7. तुलसीदास के रमायन के नाम बतावा।
8. सतनच्चा के पर्यायवाची शब्द का होही ?

खण्ड–ब

9. छत्तीसगढ़ी भाषा म कय ठन वचन होथे, एक–एक उदाहरण समेत बतावा।
10. छत्तीसगढ़ के जुन्ना नाव का रहिस, एकर प्रसिि(के थोरकन कारन बतावा।
11. 'इन' प्रत्यय ले पाँच ठन शब्द छत्तीसगढ़ी म लिखा।
12. लकर–धकर म कोन समास हावे, अऊ ए शब्द ले वाक्य प्रयोग करा।
13. नरेन्द्र देव वर्मा के भाषा खातिर लिखे भाषा विज्ञान के का नाव हावे ?
14. लोचन प्रसाद पाण्डेय हर छत्तीसगढ़ी नामकरण के संदर्भ म का परिभाषा दे हावे ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. छत्तीसगढ़ शब्द के प्रयोग म मुनि कांति–सागर के विचार ला लिखा।
16. अवधी अऊ छत्तीसगढ़ी म सामान्य विशेषता का हावे, लिखा।
17. छत्तीसगढ़ म अऊ कोन–कोन बोली बोलथें, बतावा।
18. छत्तीसगढ़ी के कहूँ पाँच समुच्चयबोधक शब्द लिखा।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. बस्तर के पहाड़ी भाग म कोन–कोन नदी अऊ पहाड़ हावे, थोरकन विस्तार म बतावा।
20. छत्तीसगढ़ नामकरण के इतिहास म अपन विचार बतावा।
21. छत्तीसगढ़ म बोलचाल म द्रविड़ परिवार ले कोन–कोन बोली के बखान होथे ?
22. छत्तीसगढ़ी के तत्सम अऊ तद्भव रुप ल उदाहरण समेत बतावा।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. छत्तीसगढ़ी भाषा अऊ साहित्य के विशेषता के बखान करा।
24. छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास मया–ओला प्रशासनिक स्वरूप देहे खर का प्रयास ;किया जाना चाहियेद्ध। कर सकत हन। विस्तारपूर्वक बतलाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M-293

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी व्याकरण **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. 'पवन ह लइका मन संग खेलत रहिस' में 'पवन' क्या है ?
2. ओमन कहाँ जावत हे ? में 'ओमन' क्या है ?
3. अंजली सुघ्घर लड़की आय में 'सुघ्घर' क्या है ?
4. आपकी स्व–अध्याय, पाठ्य सामग्री में अव्यय के कितने भेद बताए गए हैं ?
5. 'लइका–मन' का वचन बताइए।
6. 'अकबक' का उपसर्ग लिखिए।
7. 'दुस्सासन' की संधि लिखिए।
8. समास के कितने भेद हैं ?

खण्ड–ब

9. क्रिया क्या है ? उदाहरण लिखिए।
10. सर्वनाम क्या है ? उदाहरण सहित लिखिए।
11. छत्तीसगढ़ी पुल्लिंग को उदाहरण देकर समझाइए।
12. सम्बन्ध कारक क्या है ? समझाइए।
13. योजक चिह्न क्या है ? उदाहरण दीजिए।
14. विदेशज शब्द क्या है ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. समास को उदाहरण देकर समझाइए।
16. स्वर संधि को समझाइए।
17. हिन्दी और छत्तीसगढ़ी में क्रियारूप समानता समझाइए।
18. पूर्ण भविष्य काल क्या है ?

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. शब्द क्या है ? उदाहरण देकर समझाइए।
20. तुलनात्मक विशेषण समझाइए।
21. वचन को सोदाहरण लिखिए।
22. विकारी और अविकारी शब्द उदाहरण सहित समझाइए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. छत्तीसगढ़ी उपसर्ग एवं प्रत्यय को सविस्तार लिखिए।
24. विराम चिन्हों का प्रयोग कैसे किया जाता है ? छत्तीसगढ़ी में विराम चिन्हों का प्रयोग उदाहरण सहित समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल [illegible]**

M-294

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. प्रथम वर्ष छत्तीसगढी

विषय –छत्तीसगढ़ी काव्य **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. पाठ्यक्रम में संकलित किस कवि का आत्मदाह से असामयिक निधन हुआ था ?
2. 'बहुजन हिताय–बहुजन सुखाय' किसकी डुति है ?
3. पं. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र' जी का जन्म कहाँ हुआ था ?
4. 'बछरु पीवय दूध पेट भर, चरय पेट भर गैया' किस कवि की पंक्ति है ?
5. नारायण लाल परमार जी की हिन्दी छत्तीसगढ़ी की छोटी–बड़ी कितनी किताबें आ चुकी हैं ?
6. 'भूँजे मछरी दहरा म मूदे, आँखी–कान तिराये हे' किस कवि की पंक्ति है ?
7. 'छत्तीसगढ़ी गीति–गुच्छ' किस कवि की डुति है ?
8. 'दाई खेलन दे' किसकी डुति है ?

खण्ड–ब

9. संत धर्मदास का सामान्य परिचय दीजिए।

10. पं. सुन्दरलाल शर्मा का ड्डतित्व लिखिए।

11. टिप्पणी लिखिए :
'सुरता के चंदन'

12. टिप्पणी लिखिए :
सुरुज नई मरै

13. टिप्पणी लिखिए :
जीव परे कलराई मं

14. टिप्पणी लिखिए :
दुनिया अठवारी बाजार रे

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. पं. द्वारिकाप्रसाद तिवारी 'विप्र' की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।

16. कुंजबिहारी चौबे के व्यक्तित्व एवं ड्डतित्व पर प्रकाश डालिए।

17. मंचीय कविता और विद्याभूषण मिश्र के योगदान पर प्रकाश डालिए।

18. डॉ. निरुपमा शर्मा का व्यक्तित्व एवं ड्डतित्व लिखते हुए साहित्यिक अवदान को लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. निम्नलिखित की संदर्भ व प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

भाई, तुम चतुरा बनो, पढ़ो–लिखो दिन–रात।

लन्द–फन्द ला छोड़ के, मानो गुरु के बात

मानो गुरु के बात, चरित–ला अपन सुधारो।

दरपन साहीं मन ला, अपन उजर कर डारो

अच्छा लइका बनो, सबो के करौ भलाई

गुरु गुड़ रहि जाही, सक्कर तुम बनहू भाई

20. निम्नलिखित की संदर्भ व प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

हरियर–हरियर दीखत हे धान,

चिनऊर, बैकोनी, गुरमहिमा अजान!

तरि नरि नाना, मोर तरि नरि नाना,

होही जी खेती एसों सोरा आना!

अड़बड़ कमाये हन टोर–टोर के जाँगर।

चल मोरे भैया बियासी के नागर

21. 'नारायण लाल परमार जन–जागरण के कवि हैं।' कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।
22. लक्ष्मण मस्तुरिया के काव्य के भावपक्ष एवं कलापक्ष को सोदाहरण समझाइए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. हरि ठाकुर के व्यक्तित्व एवं डुतित्व पर प्रकाश डालते हुए सि(कीजिए कि वे प्रेम और ओज के कवि हैं।
24. नरेन्द्रदेव वर्मा की कविताओं के भावपक्ष एवं कलापक्ष की विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**